Title : Need to curb unethical practices of private finance companies in the country-Laid

श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे **(**मावल**) :** देश भर में कई निजी वित्तीय कंपनियां (पीएफसी) व्यक्तिगत और व्यावसायिक लोन प्रदान करती हैं, लेकिन इन पर सरकारी नियंत्रण की कमी के कारण ये कंपनियां ग्राहकों के प्रति अपमानजनक व्यवहार करती हैं । समय पर किस्त न देने पर कुछ पीएफसी आक्रामक और बलपूर्वक तरीके अपनाते हैं, जैसे बार-बार कॉल करना, धमकाना, और सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करना । वसूली एजेंट उधारकर्ताओं के रिश्तेदारों से संपर्क कर पुनर्भुगतान के लिए दबाव बनाते हैं, और कभी-कभी शारीरिक धमकी या हिंसा का सहारा लेते हैं । इसके अलावा, पीएफसी अक्सर लागू शुल्कों और ब्याज दरों का पहले से खुलासा नहीं करते, जिससे ग्राहकों पर अप्रत्याशित वित्तीय बोझ पड़ता है । कई कंपनियां भ्रामक जानकारी देकर ग्राहकों को प्रतिकूल शर्तों में फंसा देती हैं । बिना सहमति के ग्राहक डेटा को तीसरे पक्ष के साथ साझा करना भी एक गंभीर समस्या है, जो गोपनीयता का उल्लंघन और धोखाधड़ी का जोखिम बढ़ाता है । अतः, सरकार को इन पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए ।